

मान भवि का स निजा के स्व तायन भा ॥ १४ ॥

लोक के स्व तायन भा ॥ १५ ॥

॥ १६ ॥

मंरु तल्लो के स्व तायन भा ॥ १७ ॥

स्व तायन भा ॥ १८ ॥

॥ १९ ॥

न भा मय सार्थ वाहुलो के स्व तायन भा ॥ २० ॥

सो तायन भा ॥ २१ ॥

न भा सार्थ वाहुलो के स्व तायन भा ॥ २२ ॥

लो के स्व तायन भा ॥ २३ ॥

॥ २४ ॥

लो के स्व तायन भा ॥ २५ ॥

॥ २६ ॥

॥ २७ ॥

॥ ३२ ॥ अं नमो भूषा च पा सता स्वताय न
मो ॥ ३३ ॥ अं नमो वसंत लोक स्वताय नमो ॥ ३४ ॥ अं नमो कमल व
धु लो के स्वताय नमो ॥ ३५ ॥ अं नमो विदु पा सि लो के स्वताय नमो ॥
३६ ॥ अं नमो कान्त वा ह लो के स्वताय नमो ॥ ३७ ॥ अं नमो श्री म न
लो के स्वताय नमो ॥ ३८ ॥ अं नमो प सु प्र ति लो के स्वताय नमो ॥ ३९ ॥
अं नमो लो क नाथ लो के स्वताय नमो ॥ ४० ॥ अं नमो लो के स्वताय नमो
॥ ४१ ॥ अं नमो नित्य नाथ लो के सां ता य नमो ॥ ४२ ॥ अं नमो माया ऊ

व ह रि ह र लो के सां ता य नमो ॥ ४३ ॥ अं नमो लो के वं न्यं त लो के
सां ता य नमो ४४ ॥ अं नमो कु ल ध लो के सां ता य नमो ॥ ४५ ॥ अं नमो
रं ज न लो के सां ता य नमो ॥ ४६ ॥ अं नमो माया जाल लो के स्वताय
नमो ॥ ४७ ॥ अं नमो क नी त व क लो के सां ता य नमो ४८ ॥ अं नमो
अ ह र्यै क लो के स्वताय नमो ४९ ॥ अं नमो ध र म सं ख लो के स्वताय
नमो ॥ ५० ॥ अं नमो नी नी म लो के सां ता य नमो ॥ ५१ ॥ अं नमो त न स पा
नी लो के सां ता य नमो ॥ ५२ ॥ अं नमो स गी धी द र्या ध लो के सां ता य नमो
५३ ॥ अं नमो प त न लो के सां ता य नमो ॥ ५४ ॥ अं नमो

॥ नमः शिवाय ॥

॥ ७ ॥ अथ भक्तिकारणार्थक स्वतायनम् ॥ ७५ ॥

नमः सिद्धवन्तिलाकस्य तायनम ॥ ७६ ॥ नमः नमः निष्क

लोक सनायनम ॥ ११ ॥ नमो भगवते स्वस्त्यस्तु लोक सनायनम

॥ १८ ॥ गान अ सर्वनाम वृत्ति क इत्यायन आदि गान ॥

॥ ७८ ॥ ॐ नमः सर्वनीवर्तनीसं हिमा कः प्रतापनमः ॥ ७८ ॥ ७५

नमो हे वर्यताक सताय नमः ॥ ८० ॥ अथ असागरमुनि

मार्क संनयनशा ॥ ८४ ॥ ५४ अशा धर्मदत्ताक स्वरायनम

॥८२॥ जनभाजजधिवनिलकसात्रायनम॥८३॥ जन

मासुमुपनाकस्तयनम॥८३॥ठानभात्रलकिनिना

[illegible]

६॥ अने माव मनि कृष्णाय ॥ २॥ ३॥

[illegible]

निमोमवहृपितुलक स्वरायनम ॥ १०१ ॥ ४१ न
आउतआल्लोके स्वरायनम ॥ १०२ ॥ ४१ न आदतल
दितलोके स्वरायनम ॥ १०३ ॥ ४१ न आमंरुदंतलो
के स्वरायनम ॥ १०४ ॥ ४१ न आसिक्कातलोके
स्वरायनम ॥ १०५ ॥ ४१ न आसिनवतिलोके

स्वरायनम ॥ १०६ ॥ ४१ न आविर्कितलोके स्वरायनम

॥ १०७ ॥ ४१ न मे अनिसं पलाके रायनम ॥ १०८ ॥ ४१

नि श्रीलाके स्वतनमे सातननेरुमाके सुतमेउलल
वैरुसर्वदाकाके न सुत

गोप्यात्तु ॥ गन न गनवान न न था स न न न
॥ थ थी व्या उ न न स द का ल ल ता न राम गन न न ॥ १ ॥ व
गु स पा क ल स नि नि प्रा रु वि द म म पु न प म न स जि
म म पु ॥ राम ॥ २ ॥ य थ म स स न न ध म स स तु जि न स
म म पु ॥ उ ली या गु वि न स न ग्या वाः राम ॥ ३ ॥ स न न
न दि नि नि नि वा उ न था य का न स न क पु लि ध ना व

न ॥ राम ॥ ४ ॥ स न न क की वा स सि न्दु का य क न न वा स
न ना य य न द ग्ग हा के ॥ राम गन न न ॥ ५ ॥ श्री श्री
गोप्यात्तु ॥ ६ ॥ व्या न्दु श्ची हि म स न पा के व न
वान ल न न न ॥ डि व म न ल डि म पु नि डि का य स
स म धाल न न वा ग नि लि न ना व दि स न ॥ डि का य
पु न न लि न न म पु ह लि वा डि का य म न न न न म

॥ १ ॥ अथ न्यायवाक्येनात्र
 पुनः किं कार्यमाह तु वा सोऽहं न ह्यं ॥ य
 लस्य विद्याप्रपन्नं न तले किं कार्यमाहि न्न दानं तु
 न ह्यं ॥ २ ॥ कौथप्रारण्यप्रमत्तविशेषव्याजिनमत्त
 जातुलस्य न ह्यं ॥ अथ लं प्रारण्यप्रमत्तविशेषव्याजिनमत्त
 दयकं चोनायासिधिरुक्तमव दह्यं ॥ ३ ॥ अथ लं

[illegible]

१३ वा ऊ धा वि द्या सा सहित न ... नो डि
 मा मंया लावे नु स्य व न्सां ॥ १२ ॥ सा क ... यो मन रि
 स्य पा रि धा नु न स मा नि च व ता शिवं शी य न्सां ॥ म
 वि स्य सी व कृ पा ति म स्य न या के कु रू ल व त दान वि ल
 नो ॥ १३ ॥ कु रू त स कृ म्य का म्यः कु रू व स तां वि वि म्य
 कु रू त स ता प्र त त वि न्य न्सां ॥ सा वि वि वा स वा

१४ वा ऊ धा वि द्या सा सहित न ... नो डि
 मा मंया लावे नु स्य व न्सां ॥ १४ ॥ सा क ... यो मन रि
 स्य पा रि धा नु न स मा नि च व ता शिवं शी य न्सां ॥ म
 वि स्य सी व कृ पा ति म स्य न या के कु रू ल व त दान वि ल
 नो ॥ १५ ॥ कु रू त स कृ म्य का म्यः कु रू व स तां वि वि म्य
 कु रू त स ता प्र त त वि न्य न्सां ॥ सा वि वि वा स वा

१६ वा ऊ धा वि द्या सा सहित न ... नो डि
 मा मंया लावे नु स्य व न्सां ॥ १६ ॥ सा क ... यो मन रि
 स्य पा रि धा नु न स मा नि च व ता शिवं शी य न्सां ॥ म
 वि स्य सी व कृ पा ति म स्य न या के कु रू ल व त दान वि ल
 नो ॥ १७ ॥ कु रू त स कृ म्य का म्यः कु रू व स तां वि वि म्य
 कु रू त स ता प्र त त वि न्य न्सां ॥ सा वि वि वा स वा

...निवासी निवासी निवासी दिवस
...निवासी निवासी निवासी दिवस
...निवासी निवासी निवासी दिवस
...निवासी निवासी निवासी दिवस
...निवासी निवासी निवासी दिवस

...निवासी निवासी निवासी दिवस
...निवासी निवासी निवासी दिवस
...निवासी निवासी निवासी दिवस
...निवासी निवासी निवासी दिवस
...निवासी निवासी निवासी दिवस

राग प्र. मा. ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 या गये के व ने ध का । इ न जि त वे ना य न
 ना म ल न व ह ना नि वा उ मा न ॥ १ ॥ वा या च
 दि दे ल म दूर सर ग मा प्राल न दू पा सा
 ता ता जा न या द्य पा सा ॥ २ ॥ नमो भगवते

श्री

न गा धी दा ने सो य मे म ना थं से सा न वा सु घृ त
 ची टं रु पे अं तो णि गं दे वा सो रे वी ओ रु पे न मा मी
 न गा सो धे म ल न ॥ ३ ॥ म नु ज दी पा न ग थ ना
 न न गी या न ग थ प ना मे न क क रु न न री वी
 ल द्या य म दा म ज न न न न न न न न न न न न
 न

श्री
पातंजलस्य कृंक प्रारि क प्रारि क रण या आवम
नो न प र्ण या नी को ह र् वा क ची त व ना च
ता वो र्मा ला स्रं ङा या वी च रु पा ओ त
क ला मु र्मा ला व ह र् पी स्र स ह र् वी दे वी
वि भ व न र्मा ला व ह र् पी स्र स ह र् वी दे वी

त १००५

मृदु वनमात्रे

वति सया वा वय को जुल था क लि मा हा

नो को भा पु वि त च वि कु र मां लि न ४ स या

मा पे को ज जु ल त धि म वा व न व ल म्म ति त

त का १ मो ह जु ल पु दे स वो प त धे वा त का

जा

१ जु ल दु ते म १ का य म वा यो दि पु र न ज था

स वा ते य मा र जु ल ज था स वा म त य स वि क

य मा र जु ल ४॥ ते प थु य न व दि वि य

दि दे रा भ पु न वि य मा र

ता न या त वि य मा र

र ज न य

আখতার আলী

286

ADHA ARCHIVE